देखभाल संरक्षण

बच्चों का मनोविज्ञान

डॉ. श्रुति खरे

मई 2023

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

देखभाल संरक्षण

बच्चों का मनोविज्ञान

मई 2023

डॉ. श्रुति खरे
मनोवैज्ञानिक

Scanned with CamScanner

देखभाल संरक्षण बच्चों का मनोविज्ञान

अनुसूचि

कमांक	अनुक्रमणिका	पेज कमांक
1.	समाजिक सीखने में कमजोर बालक	1
2.	समाजिक सीखने में कमजोर बालको का उपचार व तालिका	2–3
3.	घर से भागने वाले बालक	4
4.	घर से भागने वाले बालक को प्रभावित करने वाले कारण	4–5
5.	घर से भागने वाले बालकों का उपचार व तालिका	5
6.	बालगृह में रहने वाले बालकों के लक्षण	6
7.	माता–पिता के जीवन में घटित होने वाली दस समस्याओं का प्रतिशत	7
8.	समस्याग्रस्त बालको के उपचार की दशायें	7–8
9.	C.N.C.P बच्चों के व्यवहार का मुख्य कारण	8
10.	C.N.C.P बालको का पुनर्वास	9
11.	C.N.C.P बालको के लिए परिवार का चयन व तालिका	10–11

Scanned with CamScanner

C.N.C.P बच्चों का मनोविज्ञान

(देखभाल संरक्षण बच्चों का मनोविज्ञान)

बालक बालिकाओं हमारे देश की बहुमूल्य सम्पति है उनका संरक्षण करना, उनको जीवन में आगे बढ़ाना उनके व्यक्तित्व में इनसे सम्बन्धित सभी गुणों का विकास करना हमारा दायित्व भी है और कर्तव्य भी है । जब हम अपने बच्चों को हालात से लड़ना सिखाएगें, मजबूत बनायेगें, उनकी हिम्मत बढ़ायेगें तभी हमारे बच्चे अपने जीवन में कुछ कर पायेगें । इसके लिए बस हमें उनकी 5 आवश्यकताओं को पूरी करना है । ये पांच आवश्यकताऐं निम्न है ।

1. शारीरीक आवश्यकताऐं
2. समाजिक आवश्यकताऐं
3 .मनोवैज्ञानिक आवश्यकताऐं
4. शैक्षणिक आवश्यकताऐं
5. व्यवसायिक आवश्यकताऐं ।

सभी आवश्यकताऐं संतुलित रहेगा तभी बालक का विकास सही ढंग से होगा । तभी उनमें राष्ट्रीयता की भावना सही उम्र में विकसित हो सकेगी । राष्ट्रीयता की भावना के विकास के लिए समाजिक व पारिवारिक सम्बन्धों पर ध्यान देना जरूरी है इसके लिए खेल भावना सर्वोपरी है इसे हर बच्चे में विकसित करना बहुत आवश्यक है क्योकि हार जीत की परवाह न करते हुए जो व्यक्ति उस पल को enjoy करें वही जिंदगी की हर परिस्थिति का सामाना मुस्कुराते हुए करता है । खेल खेल में बहुत से सकारात्मक गुण उनके व्यक्तित्व में स्वयं ही मिल जाते है उनके नकारात्मक गुणों को दूर करने के लिए जहां माता पिता रहते है माता पिता उन्हे निस्तर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते है वैसे ही C.N.C.P बच्चों के नकारात्मक गुणों को दूर करने के लिए बालगृह में कार्यरत् काउन्सलर रहते है जो उन्हें सकारात्मक गुणों को सीखने के लिए प्रेरित करते रहते है इसलिए हमें C.N.C.P बच्चों के पुनर्वास में पारिवारिक समाजिक सहभागिता विधि का उपयोग करना चाहिए । क्योकि यही विधियां हमें फिर से संयुक्त परिवार से मिला सकती है और हमारी संस्कृति व सभ्यता को विकसित कर सकती है जिससे हमारा देश सम्पूर्ण विश्व में उन्नति के उच्च शिखर पर पहुंच जायेगा और हमारी नई पीढी खुशहाल जीवन जी सकेगी ।

साइको एजुकेशनल रिसर्च सेंटर की एक रिसर्च रिपोर्ट पर आधारित देखभाल संरक्षण वाले बच्चों की जो समस्याऐं रहती है उनको तीन भागों में विभाजित किया जाता है ।

1. समाजिक सीखने में कमजोर बालक व बालिकायें
2. घर से भागने वाले बालक व बालिकायें
3. बालगृहों में रहने वाले बालक व बालिकायें

A. समाजिक सीखने में कमजोर बालक व बालिकायें

अभी तक समान्य रूप से कमजोर विद्यार्थी उसे माना जाता रहा है जिसकी बुद्धि लब्धि या बौद्धिक क्षमता उसकी कक्षा की मानसिक बुद्धि की तुलना में कम हो इसी कारण वह पढ़ाई में पिछड़ जाता है पर अब मनोवैज्ञानिकों ने बुद्धि लब्धि के स्थान पर विचलन बुद्धि लब्धि के संप्रत्यय को सम्मिलित किया है । इसमें प्रत्येक वैयक्तिक परीक्षण के प्राप्तांकों को एक मानक उम्र प्राप्तांक में बदल दिया जाता है जिसका माध्य 50 तथा मानक विचलन 8 होता है । इस प्रयोग से पता चल सकेगा कि विद्यार्थी वस्तुतः अधिगम की समस्या से ग्रस्त है अथवा

Scanned with CamScanner

अन्य किसी कारण से पिछड़ रहा है । दूसरे शब्दों में किसी परीक्षा में कम अंक प्राप्त करना अधिगम की मूल समस्या नहीं है कुशाग्र विद्यार्थी को भी किन्ही कारणों से कम अंक प्राप्त हो सकते है । ऐसे विद्यार्थी भी होते है जो आंतरिक परीक्षा में फेल हो जाते है पर वार्षिक परिक्षा में प्रथम श्रेणी के अंक प्राप्त करते है ।

समाजिक अधिगम में अक्षमता के लक्षण निम्न हो सकते है

1. लगातार कक्षा में अनुपस्थित रहना
2. पाठ्य सामग्री में पिछड़ना
3. विषय का सही चयन न करना
4. पढ़ने लिखने में मन न लगाना या अवधान में कमी
5. हीन ग्रंथि
6. बुद्धि लब्धि का कम होना
7. कक्षा के स्तर के अनुरूप मानसिक बुद्धि का विकास न होना
8. गरीबी के कारण पाठ्य पुस्तकों की कमी
9. मनोविज्ञान की दृष्टि से अधिगम में कमजोरी का एक कारण सामान्यीकरण और विभेदन क्षमता का अभाव होता है जिससे मूर्त और अमूर्त बुद्धि प्रभावित होती है ।
10. संवेगात्मक बुद्धि के अविकसित होने से भी सामाजिक समझ में पिछड़ापन आ जाता है ।
11. अधिगम की समस्याऐ और भी जटिल हो जाती है जब उनमें इड, इगो और सुपरईगो और चेतन, अचेतन तथा अवचेतन मन की समस्याऐं शामिल हो जाती है और विद्यार्थी अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए नई नई मनोरचनाओं का सहारा लेने लगते है ।

इन कारणों से विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता, आक्रमकता, पलायन, निराशा असफलता, अराजकता, हीनता आदि की प्रवृतियां विकसित होती है जो अधिगम की क्षमता को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है । प्रत्येक व्यक्ति अपनी शारीरीक और मानसिक योग्यता के अनुसार सीखता है शारीरीक सीमा के कारण जो कठिनाई होती है उन्हे दूर करना कठिन होता है लेकिन अन्य कारणों से उत्पन्न कठिनाईयों का निराकरण किया जा सकता है वातावरण सम्बन्धि कारक जैसे शोरगुल तापक्रम, वेष्टीलेशन, प्रकाश, ध्यान आकर्षित करने वाले कारक आदि के कारण अथवा नशीले पदार्थो के प्रयोग के कारण उत्पन्न समस्याओं का निराकरण अपेक्षाकृत अत्याधिक सरल है.

सीखने में कोइ प्रगति नहीं होती है तो इसके कारण निम्न हो सकते है जैसे ध्यान, रूचि, जिज्ञासा, प्रोत्साहन में कमी और इस ध्यान भंग होने का कारण अधिगम परिस्थिति को न समझ पाना, अधिक थकान, दूषित वातावरण या संवेगात्मक, तनाव, प्रयोज्य का मानसिक स्तर, सीखने की विधि आदि । सीखने को महत्वपूर्ण ढंग से प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है।

1. पाठ्य सामग्री
2. सामग्री की परिचित्ता
3. सामग्री का अर्थ
4. सामग्री की सार्थकता

Scanned with CamScanner

5. सामग्री का रंग
6. सामग्री का कम व आकार
7. आयु व लिंग
8. व्यक्ति की बुद्धि व मानसिक योग्यता
9. व्यक्ति की इच्छाऐं, भावनाये, तथा अकांक्षा आदि

इन बच्चों की उपचार की विभिन्न दिशायें निम्नलिखित है –

1. तर्क शक्ति की वृद्धि के लिए – गणितीय पहेलियां व तर्क संगत से सम्बन्धित प्रशनो को हल करना
2. रचनात्मक कौशल के लिए – सृजनात्मक लेखन
3. बुद्धि विकास के लिए – गायत्री मंत्रजाप
4. स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए – भ्रामरी प्राणायाम
5. मन की एकाग्रता के लिए – अंर्तमौन
6. कियाशीलता को बढ़ाने के लिए – चिदाकाश धारणा (कल्पनाशीलता)
7. चिंता या तनाव की निवृति के लिए – योगनिद्रा
8. निराशा या कुंठा दूर करने की – S.W.A.N विधि अध्ययन विधि
9. कार्य क्षमता की वुद्धि के लिए – समय प्रबंधन
10. हिनता ग्रंथि से मुक्ति के लिए – वाद विवाद, मुक्त संवाद, व्यक्तिगत चर्चायें आदि
11. तीव्रगति से बौद्धिक विकास हेतु – T.L.M का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है ।

साइको एजुकेशनल रिसर्च सेंटर
द्वारा किया गया प्रयोग पर आधारित

तालिका रिपोर्ट Total = 43

	Total	उम्र	Girls	Boys	प्रतिशत	IQ
I	21	3 to 8	12	9	40.81	<Normal
II	13	9 to 14	8	5	50	Normal
III	9	15 to 18	6	3	35.65	<Normal

स्कूलों व आंगन बाडीयों में अध्ययनतरत् बालक बालिकाओं (1 year पर अधारित)

	उम्र	Total	Boy	Girl
1-	3 to 8 year	100	50	50
2-	9 to 14 year	90	45	45
3-	15 to 18 year	200	100	100

Note – प्रयोग – IQ test , अंकसूचि और बच्चों के साथ काम करने के आधार पर लिया गया है ।

Scanned with CamScanner

B. घर से भागने वाले बालक व बालिकायें

बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम के तहत बालकों के अधिकारों का संरक्षण किया जा है ऐसे बालक बालिकाओं का लक्षण निम्नलिखित होता है ।

1. आवारागर्दी करना
2. स्कूल में लगातार बिना उचित कारण के अनुपस्थित रहना
3. स्कूल से बिना किसी कारण के वहां से भाग जाना
4. गुरूजनो या अपने साथियों से अशिष्ट भाषा का प्रयोग करना
5. चरित्रहीन या अपराधी व्यक्तियों के साथ रहना
6. भीख मांगना
7. बिना उद्देश्य के इधर उधर घूमना
8. चोरी करना
9. बिना पूछे किसी की चीज उठाना
10. यौन–अपराध करना या उनमें सहयोग देना
11. जुआ खेलना
12. वर्जित स्थानों में प्रवेश करना
13. अपने साथियों या माता–पिता से अभद्र भाषा का प्रयोग करना
14. सिगरेट या मादक पदार्थो का सेवन करना
15. साइबर कैफो में जाकर अश्लील चीजें देखना
16. झूठ बोलना या मिथ्या प्रचार करना आदि

ऐसी निर्मित स्थिति परिवार में निम्नलिखित कारणों से होती है ।

1. समाजिक व सांस्कृति भ्रांतिया
2. व्यकितगत कडुवे अनुभव के कारण
3. ईर्ष्या
4. अत्याधिक क्रोध के कारण
5. मन की विक्षिप्तता
6. आज्ञानता के कारण
7. दुश्मनी के कारण
8. पारिवारिक कलह
9. गलत संगति के कारण
10. अकेलेपन के कारण
11. जिद्द के कारण
12. घर में स्नेह का न मिल पाना
13. बार–बार कार्यो में विफलता आदि
14. अत्याधिक बुद्धिमान
15. विपरित आकर्षण
16. स्वतंत्र व्यक्तित्व वाला
17. अपने से बड़ो की संगति
18. आयु

Scanned with CamScanner

19. संवेग
20. सहनशक्ति का अभाव
21. अपना हौसला खो देना
22. इच्छाऐं नियंत्रित नही होती
23. अकेलापन आदि

इन बच्चों की उपचार की विभिन्न दिशायें उपलब्ध है

1. प्रतिबल प्रबंधन
2. प्रत्यक्ष बचाव (Direct coping)
3. मनोरचनाऐं
4. व्यवहार चिकित्सा पद्धति
   1. पुरस्कार
   2. दण्ड
   3. पुनर्बलन
   4. ऋणात्मक दण्ड प्रावधान
   5. धनात्मक दण्डात्म प्रावधान शेपिंग आदि ।

साइको एजुकेशनल रिसर्च सेंटर द्वारा किया गया प्रयोग पर आधारित

Table No. 1

गुमशुदा/अपहरण वाले बालक–बालिकायें

14 मार्च 2022 से 30 अप्रेल 2023 तक

कमांक	अकेले घुमने	परिचीतों के यहां जाने	प्रेम प्रसंग वाले Girl/Boy	Total
A छात्र	2	5	15	22
B छात्रायें	8	190	28	226
	10	195	43	248

Table No. 2

लैंगिक उत्पीडन

14 मार्च 2022 से 14 अप्रेल 2023 तक उम्र

sex	6 से 14	14 से 17	18 से अधिक	Total
A Girl	13	100	150	263
B Boy	0	0	0	0
	13	100	150	263

Scanned with CamScanner

c. बालगृह में रहने वाले बालक बालिकायें

लक्षण (समस्याग्रस्त बालिका–बालक)

1. बालक का संस्था में अनुशासनहीनता फैलाना
2. छोटे बालकों को गंदी बातें सीखाना
3. बालकों का मुक्त विचारों का होना
4. सभी बातों जानने का इच्छुक होना
5. वाद–विवाद व झूमा झपटी करना (दूसरे बच्चों के साथ)
6. संस्था से अन्यंत्र भाग जाना
7. मिलनसार न होना
8. प्रसाधन कक्ष के दरवाजे में छेद करना व झांकना
9. स्वयं भीख मांगना व अन्य बालकों से भीख मंगवाना
10. छोटे बालको के साथ अश्लील हरकतें करना
11. रूपया को चुराना
12. दूसरे बच्चों को चोरी के लिए उकसाना
13. गंदी गंदी गालियां देना
14. संस्था में कार्यरत् लोगों की बात न सुनना
15. संस्था में सिगरेट, गांजा, नशीले पदार्थ को छुप छुपाकर खाना

समस्याग्रस्त व्यवहार के कारण

A. पारिवारिक वंचन

1. संस्थानीकरण कम आयु में
2. परिवार में वंचन
3. मानसिक आद्यात
4. संघर्षपूर्ण परिस्थिया

B. विकृष्त पारिवारिक दशायें

1. बेमेल परिवार
2. विक्षुब्ध परिवार
3. विघटित परिवार

C. अपर्याप्त जनकता

1. अति संरक्षण
2. अति प्रतिबंध
3. दोषपूर्ण अनुशासन
4. दोषपूर्ण संप्रेषण

Scanned with CamScanner

5. अवास्तविक अपेक्षाऐं
6. अति अनुमति बोधकता
7. आसक्ति
8. प्रतिबल एवं द्वंद

माता –पिता के जीवन में घटित होने वाली दस समस्याऐं जिनका प्रभाव परिवार पर पड़ता है

समस्याऐं	अनुकिया प्रतिशत
1. स्वास्थय	52.4%
2. वस्तुओं की किमतो में वृद्धि	40.7%
3. समय प्रबंधन का न होना (काम की अधिकता)	36.6%
4. घर का बाहय प्रबंधन	38.1%
5. अपराध	37.1%
6. परिवार के सदस्य का स्वास्थय	46.1%
7. घरेलू प्रबंधन	42.8%
8. अव्यवस्थित वस्तुऐं	38.1%
9. सम्पति, निवेश,कर	37.6%
10. शारीरीक आभास	35.9%

अमेरिकी मनोवैज्ञानिक संघ स्ट्रेस से बचाव के लिए निम्नांकित सुझावों के उपयोग पर बल दिया है

1. दूसरे की सहायता में लग जाना । इससे तनाव से ध्यान हटेगाा
2. सहानुभूति प्रदर्शित करने का प्रयास करे
3. आंसुओं को बह जाने दें
4. छोटे–छोटे लक्ष्य चुने तथा एक समय पर एक कार्य हाथ में लें
5. भोजन, विश्राम एवं प्रतिभ्रमण पर ध्यान दें
6. सोने पर ध्यान दें । निदा व्यवधान से बचे
7. सहायता लेना सीखें ।
8. जो कार्य आवश्यक नहीं है, उसे छोड़ दें
9. परोपकार के काम में लग जाना
10. दुर्घटना सम्बन्धी चर्चाओं से दूर रहें

उपचार की दिशायें

1. अनुबंधन विधियां
2. मॉडलिंग
3. धनात्मक प्रबलन
4. संज्ञानात्मक सिद्धांत (आत्म मूल्यांकन का भय दूर होता है)
5. प्रदर्शन चिकित्सा

Scanned with CamScanner

1. कमबद्ध असंवेदीकरण
2. अंतःस्फोटात्मक
3. स्फूर्ति प्रदर्शन
6. विचार ठहराव आदि

साइको एजुकेशनल रिसर्च सेंटर द्वारा किया गया प्रयोग पर अधारित तालिका

मार्च 2020 से अप्रेल 2023

विवरण		छात्र	छात्राऐं	Total
गुमशुदा/अपहरण	1	20	239	259
अन्य छात्र/छात्राऐं रेस्क्यू	2	10	5	15
		30	244	274

Note — बालक/बालिकियों से सम्बधित केस प्रकरण के दौरान पूछे गये प्रश्न उत्तर से सम्बधित

C.N.C.P बच्चों के व्यवहार का मुख्य कारण

इस तरह समाजिक सीखने में कमजोर, **गुमशुदा/अपहरण और बालगृहों में रहने वा बालक–बालिकाओं का विवेचन किया तो मुख्य निम्न बिंदु प्रकाश** में आये ।

1. संवेगात्मक बुद्धि का पूर्ण रूप से विकास न हो
2. इड, इगो और सुपरइगो के बीच संतुलन का न होना
3. स्वतंत्र विचारों वाला
4. स्नेह का न मिल पाना
5. कुंठा से सामजस्य न बना पाना
6. थ्रील और सस्पेंस वाले कार्य में रूचि
7. झूठ बोलना
8. घर में इज्जत न मिलना
9. झगड़ा करने वाला
10. उम्र से पहले बड़ा होना

ये सभी निम्न बिंदु को प्रभावित करते है

1. सामान्यीकरण और विभेदन क्षमता
2. सापोर्ट सिस्टम का न होना
3. आत्म सम्प्रत्यय का ठीक से विकास न हो पाना ।

क्योकि ये तीनों बिंदु बालक के निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करते है । यदि इ सामजस्य न होगा तो व्यक्ति का व्यक्तित्व प्रभावित होगा

Scanned with CamScanner

पुनर्वास

C.N.C.P बच्चों का पुनर्वास किया जाता है ताकि उन्हें परिवार मिल सके । इसके लिए सरकार कई तरह की योजना चला रही है जैसे – फोस्टर केयर, स्पाउसरशीप, आफ्टर केयर और मुख्यमंत्री बाल उदय योजनाऐं है जिसमें यदि कोई बालक या बालिकायें आई.एस, डाक्टर, इंजिनियर प्रोफेसर आदि बनना चाहता है तो उन्हें पूरी सुविधाऐं दी जायेंगी ।

हम किसी बच्चे को परिवार में देते है तो हम परिवार व बच्चों का निम्न तरीके से चयन करते है ।

फास्टरकेयर व स्पांसरशीप में परिवार का चयन

व्यक्ति का व्यवहार–व्यक्ति के व्यावहारिक क्षमतायें, प्रत्याशायें, प्रत्यक्षित आत्म योग्यता, पुरस्कार का आत्मनिष्ठ मूल्य आदि की विभिन्न परिस्थितिगत कारकों जैसे पुरस्कार, दण्ड आदि से अंतक्रिया होती हे जिसके परिणामस्वरूप व्यवहार घटित होता है अतः व्यवहार हेतु हम केवल एक कारक व्यक्ति या "परिस्थिति" को महत्व नही दे सकते दोनों ही कारक और उनकी अंतक्रिया व्यवहार के लिए महत्वपूर्ण हैं ।

	परिवार	आदर्श
1	परिवार कहां रहता है आस पास का वातावरण कैसा है	धार्मिक वातावरण हो और धार्मिक कार्य होते हों । कहने का तात्पर्य सकारात्मक तरंगे हो
2	परिवार का वातावरण कैसा है	सुख, प्रेम, शांति, सुरक्षा व अध्यात्म का वातावरण
3	परिवार के मुखिया का व्यक्तित्व	1 प्रजातांत्रिक 2 तानाशाह 3 मनावतावादी 4 अस्तित्वात्मक
4	पति–पत्नि का आपस में सम्बन्ध	Physical needs व social needs पूरी हो रही
5	बच्चो व वृद्धों के साथ माता पिता का सम्बन्ध	1 जैविक आवश्यकता 2 प्रेम की आवश्यकता 3 सुरक्षा 4 आत्म सम्मान 5 आत्तसिद्धी

Scanned with CamScanner

(3) Matching/(Bonding)

माता–पिता क्या चाहते	बच्चा क्या चाहता है	Normal	आदर्श
1 बच्चा उनकी बात सुने या कहना माने	बच्चा मनमानी करना चाहता है ।	सबकी बातें मानता है	बातें भी सुनता है शैतानी भी करता है
2 पढ़ाई करे	खेलना चाहता है	केवल पढ़ाई करें ।	पढ़ाई भी करता खेलता भी टी.वी देखता है ।
3 सभी घर के सदस्यों से बात करें	बच्चा केवल अपने में ही मशगूल रहता है	बच्चा जो कोई उसे खाने के चीज या उसकी मनपसंद चीज लाकर देता है उससे दोस्ती जल्दी कर लेता है	घर के सभी सदस्यो नम्रता से पेश आत और अपनी खुशी परेशानियां सभी के बांटता है ।
4 भाई बहिनों के साथ अच्छे से मिल जुलकर रहें ।	सारी खेलने की वस्तुऐं उसके पास रहे और फिर वह स्वयं लेकर अपनी पसंद की वस्तुऐं छोटें व अपने से बड़े बच्चों को दें	बच्चा अपनी पसंद के चीज लेने के लिए छिना छपटी करता है और फिर थोड़ी देर में सब हिल मिलकर खेलने लगते है	यह बालक स्वयं खेलता है और दू बच्चों को भी खेलने है ।
5 बालक हमसे बड़ा अधिकारी बनें या फिर हमारा अनुकरण करें ।	बच्चा अपने में मस्त रहना चाहता है किसी बात की परवाह नहीं करता है ।	बच्चा जो बनना चाहता है उसी पर अड़ा रहता है ।	वह माता–पिता की भी सुनता है और अप बात भी रखता है म पिता दोनों बातों समन्वय कर उसके ल को बनाने में मदद कर है ।

Scanned with CamScanner

माता पिता अपने बच्चों से कैसा व्यवहार करता है

बच्चों का व्यवहार	माता पिता का अनुकिया			माता Normal व्यवहार	आदर्श व्यवहार
गुस्सा	प्रबलन	समझाकर मानते है	अपने आप स्वयं मानता हो	उसकी मन पसंद की चीज बनाकर मनाते है	गुस्सा शांत करके उसे अच्छे व गलत व्यवहार की जानकारी देते है ।
जिद्द	वस्तु लाकर जिद्द पूरी कर देते ह	समझाते है अपने आप माने	हर जिद्द पूरी नहीं करते	महंगी सी महंगी वस्तुऐं लाकर देते है और अपनी शर्त रख देते है	उचित–अनुचित की जानकारी देते हुए समझाते है ।
आकामकता	डॉटते है	तुम बड़े हो तुम्हे समझना चाहिए	कमरे में बंद कर देते है ।	थप्पड़ मार देते हैं	उसकी कुंठा को समझने का प्रयास करते है । उसकी समस्या का समाधान करते है ।
प्रसन्नता	खुश हो जाते	दूसरा लक्ष्य रख देते है	अपना लक्ष्य को बता देते है	बहुत लाड़ प्यार करने लगते हैं जिससे बच्चा सिर पर चढ जाता है	सबके साथ मिलकर खुशी बांटते हैं.

संदर्भ ग्रंथ

1. व्यक्तित्व मनोविज्ञान — डॉ. मधु आरस्थाना
2. विकासात्मक मनोविज्ञान — राजेन्द्र प्रसाद सिंह
3. असामान्य मनोविज्ञान — डॉ. आर. एन सिंह
4. योग विद्या की प्रतियां — अक्टूबर 2017,2019 से

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

लेखिका का परिचय

नाम - डॉ. श्रुति खरे, मनोवैज्ञानिक
पिता - डॉ. गणेश खरे
माता - डॉ. श्रीमती श्रीदेवी खरे
शिक्षा - एम.ए. मनोविज्ञान
प्रवीणतापूर्वक
पी.एचडी.
पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर से 2001 में

कार्य - अध्यापन कार्य 9 वर्षों तक विभिन्न महाविद्यालयों तथा डेढ़ वर्षों तक सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, राजनांदगाँव (छ.ग.) में कार्यरत रही।

प्रकाशित साहित्य

शोध प्रबंध
1. A study of need for guidance among Adolescent in Relation to their Sex, Caste and Education streem-

अन्य
2. प्रमुख मनोरोग : कारण और निदान
3. मनोविश्लेषण
4. मनःशक्ति मासिक पत्रिका का प्रकाशन
5. मानसिक मंदता और मानसिक रोग
6. क्षमता-विकास और पुनर्वास
7. व्यक्तित्व-विकास और अन्य शोध-निबंध
8. व्यावहारिक मार्गदर्शन
9. पर्यावरणीय अध्ययन
10. कालेज स्तर पर अपेक्षित मार्गदर्शन की दिशायें आदि.
11. मनोवैज्ञानिक मापन और परीक्षण (प्रश्न बैंक)
12. सांख्यिकीय पद्धतियां (प्रश्न बैंक)

Scanned with CamScanner